NIOS PYQ's SOLUTIONS

PREVIOUS YEARS' QUESTIONS & ANSWERS

APRIL-2025

Your Path to Success

खंड - अ

प्रश्न 1 - पूँजीवादी अर्थव्यवस्था निम्नलिखित में से किसके साथ निकटता से जुड़ी हुई है?

(A) मार्क्सवाद **(B) समाजवाद**

(C) साम्यवाद **(D) उदारवाद**

उत्तर - (D) उदारवाद

प्रश्न 2 – 'वर्ग संघर्ष का सिद्धान्त' निम्नलिखित में से किससे सम्बन्धित है?

(A) उदारवाद **(B) मार्क्सवाद**

(C) गाँधीवाद **(D) पूँजीवाद**

उत्तर - (B) मार्क्सवाद

प्रश्न 3 - निम्नलिखित में से किसका विश्वास था कि 'साध्य और साधन एक ही सिक्के के दो पहलू हैं'?

(A) कार्ल मार्क्स **(B) लास्की**

(C) महात्मा गाँधी **(D) मैकियावेली**

उत्तर - (C) महात्मा गाँधी

प्रश्न 4 - निम्नलिखित में से कौन-सा कथन 'सरकार' के बारे में गलत है?

(A) यह राज्य का एक तत्त्व है। **(B) यह कानून बनाने के लिए ज़िम्मेवार है।**

(C) इसको संविधान से शक्तियाँ प्राप्त होती हैं। **(D) यह स्थायी होती है।**

उत्तर - (D) यह स्थायी होती है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 5 - 44वें संविधान संशोधन अधिनियम के द्वारा किस मौलिक अधिकार को मौलिक अधिकारों की सूची से हटा दिया गया है?

(A) शिक्षा का अधिकार **(B) सम्पत्ति का अधिकार**

(C) स्वतंत्रता का अधिकार **(D) धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार**

उत्तर - (B) सम्पत्ति का अधिकार

प्रश्न 6 - स्वतंत्रता के अधिकार के अन्तर्गत भारतीय संविधान ने कितनी स्वतंत्रताओं की गारंटी दी है?

(A) 5 **(B) 6** **(C) 7** **(D) 8**

उत्तर - (B) 6

प्रश्न 7 - भारतीय संविधान में शक्तियों के विभाजन के लिए दर्ज 'समवर्ती सूची' में कितने विषयों को शामिल किया गया है?

(A) 97 **(B) 47** **(C) 66** **(D) 75**

उत्तर - (B) 47

प्रश्न 8 - राज्यसभा की बैठकों की अध्यक्षता निम्नलिखित में से कौन करता है?

(A) राष्ट्रपति **(B) स्पीकर**

(C) उप-राष्ट्रपति **(D) राज्यसभा का नेता**

उत्तर - (C) उप-राष्ट्रपति

प्रश्न 9 - लोकसभा के अधिकतम कितने सदस्य हो सकते हैं?

(A) 540 **(B) 543**

(C) 545 **(D) 550**

उत्तर - (D) 550

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 10 - लोकसभा में वित्त विधेयक को किसकी अनुमति प्राप्त करने के बाद प्रस्तुत किया जा सकता है?

(A) स्पीकर **(B) प्रधानमंत्री**

(C) राष्ट्रपति **(D) उप-राष्ट्रपति**

उत्तर - (C) राष्ट्रपति

प्रश्न 11 - उच्च न्यायालय निम्नलिखित में से किसकी/किनकी देख-रेख, निर्देश और नियंत्रण में कार्य करते हैं?

(A) राष्ट्रपति **(B) राज्यपाल**

(C) सर्वोच्च न्यायालय **(D) कानून मंत्री**

उत्तर - (C) सर्वोच्च न्यायालय

प्रश्न 12 - एक ई.वी.एम. (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) में अधिकतम कितने उम्मीदवारों को दर्शाया जा सकता है?

(A) 12 **(B) 16** **(C) 20** **(D) 24**

उत्तर - (B) 16

प्रश्न 13 - भारत में कौन-से एक राजनीतिक दल ने लगातार पाँच बार आम चुनावों में विजय प्राप्त की?

(A) भारतीय जनता पार्टी **(B) भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस**

(C) नेशनल कांफ्रेंस **(D) डी.एम.के.**

उत्तर - (B) भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस

प्रश्न 14 - उस क्षेत्रीय दल का चुनिए जो हरियाणा से सम्बन्ध रखता है।

(A) तेलुगू देशम **(B) ऑल पार्टी हिल लीडर्स कॉफ्रेंस**

(C) शिव सेना **(D) इंडियन नेशनल लोक दल**

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर - (D) इंडियन नेशनल लोक दल

प्रश्न 15 - निम्नलिखित में से कौन-सी सुशासन की एक विशेषता नहीं है?

(A) जन-हितैषी प्रशासन

(B) भ्रष्टाचार मुक्त सरकार

(C) प्रशासकों को असीमित शक्तियाँ देना

(D) लोगों को न्याय देना

उत्तर - (C) प्रशासकों को असीमित शक्तियाँ देना

प्रश्न 16 - निम्नलिखित में से किस वर्ष मानवाधिकार का सार्वभौमिक घोषणा-पत्र अपनाया गया?

(A) 1945

(B) 1947

(C) 1948

(D) 1951

उत्तर - (C) 1948

प्रश्न 17 - 'अवलम्बनीय विकास' निम्नलिखित में से किसके बारे में प्रयोग किया जाता है?

(A) विकास

(B) शिक्षा

(C) कृषि

(D) पर्यावरण

उत्तर - (D) पर्यावरण

प्रश्न 18 - वन्यजीव संरक्षण के लिए भारत में कितने राष्ट्रीय पार्क हैं?

(A) 130

(B) 95

(C) 80

(D) 75

उत्तर - (B) 95

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

वैकल्पिक मॉड्यूल-7A

प्रश्न 19 - कौन-सा एक उपनिवेश रंग-भेद का शिकार था?

(A) दक्षिण अफ्रीका **(B) चीन**

(C) म्यांमार **(D) श्रीलंका**

उत्तर - (A) दक्षिण अफ्रीका

प्रश्न 20 - किस देश की सशस्त्र सेना 1950 में दक्षिण कोरिया में घुस गई थी और वापस जाने से इन्कार कर दिया था?

(A) चीन **(B) रूस**

(C) उत्तर कोरिया **(D) जापान**

उत्तर - (A) चीन

वैकल्पिक मॉड्यूल-7B

प्रश्न 19 - भारत का राष्ट्रपति केन्द्रीय लोक सेवा आयोग की वार्षिक रिपोर्ट निम्नलिखित में से किसके समक्ष प्रस्तुत करता है?

(A) संसद **(B) भारत का सर्वोच्च न्यायालय**

(C) योजना आयोग **(D) राज्यों के राज्यपाल**

उत्तर - (A) संसद

प्रश्न 20 - कौन-से समाज विज्ञानी ने नौकरशाही का व्यवस्थित अध्ययन किया था?

(A) महात्मा गाँधी **(B) कार्ल मार्क्स**

(C) लास्की **(D) मैक्स वेबर**

उत्तर - (D) मैक्स वेबर

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न संख्या 21 से 26 तक, वाक्य को अर्थपूर्ण एवं सही बनाने के लिए रिक्त स्थान भरिए :

प्रश्न 21 - गाँधीजी ने शक्तियों के _____ की वकालत की क्योंकि वे इसको _____की भावना मानते थे।

उत्तर – विकेन्द्रीकरण, लोकतंत्र

प्रश्न 22 - राज्य के नीति निदेशक सिद्धान्त समान _____ के लिए दोनों _____ और पुरुष के लिए समान वेतन का निर्देश देते हैं।

उत्तर – कार्य, स्त्री।

प्रश्न 23 - भारत के _____ संविधान में _____ मौलिक अधिकार थे।

उत्तर – मूल, सात।

प्रश्न 24 - भारत के राष्ट्रपति को उसके पद से _____ के द्वारा _____ किया जा सकता है।

उत्तर – महाभियोग, अपदस्थ

प्रश्न 25 - प्रत्येक वर्ष _____ लोकसभा में _____ मंत्री द्वारा प्रस्तुत किया जाता है।

उत्तर - बजट, वित्त।

प्रश्न 26 - सुशासन का सम्बन्ध _____ बनाने से है जिससे लोगों के जीवन के _____ में सुधार लाया जा सके।

उत्तर - नीतियां , गुणवत्ता

प्रश्न 27 - निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) 1955 में एशिया और अफ्रीका के देशों ने कौन-से शहर (सिटी) में सम्मेलन किया था?

(ख) भारत और चीन के बीच पारस्परिक सम्बन्धों के पाँच सिद्धान्तों का पालन करने सम्बन्धी किए गए समझौते का नाम लिखिए।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर –

(क) बांडुंग (इंडोनेशिया)

(ख) पंचशील समझौता

प्रश्न 28 - निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) तीसरी दुनिया के किसी एक देश का नाम लिखिए।

(ख) शीत युद्ध की समाप्ति किस वर्ष में हुई थी?

उत्तर -

(क) भारत

(ख) 1991

प्रश्न 29 - खाली स्थान भरो :

संयुक्त राष्ट्र संघ, जिसकी स्थापना _____ में हुई थी, द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद से एक महत्त्वपूर्ण अन्तर्राष्ट्रीय _____ बना हुआ है।

उत्तर - 1945, संगठन।

प्रश्न 30 - खाली स्थान भरो :

_____ के मुखिया दलाई लामा ने चीन से भागकर 1959 में _____ में शरण ली।

उत्तर – तिब्बत, भारत।

प्रश्न 31 - खाली स्थान भरो :

1999 में पाकिस्तान के _____ आक्रमण ने दोनों देशों को _____ टकराव के कगार पर ला खड़ा किया।

उत्तर – कारगिल, परमाणु युद्ध।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

वैकल्पिक मॉड्यूल-7A

प्रश्न 32 - खाली स्थान भरो :

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् में दस _____ सदस्य हैं और पाँच _____ सदस्य हैं।

उत्तर – अस्थायी, स्थायी।

प्रश्न 33 - खाली स्थान भरो :

1962 का क्यूबा मिसाइल संकट _____ का एक अच्छा उदाहरण है जिसने _____ और संयुक्त राज्य अमरीका के बीच सीधे युद्ध को टालने में सहायता की।

उत्तर – परमाणु युद्ध, सोवियत संघ।

प्रश्न 34 - निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) संयुक्त राष्ट्र संघ के कितने प्रमुख अंग हैं?

(ख) संयुक्त राष्ट्र संघ के कौन-से अंग के पास करने के लिए कोई कार्य नहीं है?

उत्तर -

(क) 6 (छः)

(ख) न्यास परिषद

प्रश्न 35 - खाली स्थान भरो :

संयुक्त राष्ट्र _____ परिषद् ने 1950 के दशक में _____ समस्या हल करने के लिए मध्यस्थ भेजे थे परन्तु वे असफल रहे।

उत्तर - सुरक्षा , कश्मीर।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

वैकल्पिक मॉड्यूल-7B

प्रश्न 32 - खाली स्थान भरो :

संविधान में लोक सेवा आयोग की _____ को सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त _____ किए गए हैं।

उत्तर – स्वतंत्रता, उपबंध।

प्रश्न 33 - निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) केन्द्रीय लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष का कार्यकाल कितने वर्ष का है?

उत्तर - छह वर्ष या पैंसठ वर्ष की आयु, जो भी पहले हो।

(ख) क्या केन्द्रीय लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष सरकार के अन्तर्गत भविष्य में कहीं नियुक्त किया जा सकता है?

उत्तर - नहीं

प्रश्न 34 - निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) राजनीतिक कार्यपालिका का मुख्य कार्य क्या है?

उत्तर - नीतियों का निर्माण करना है।

(ख) प्रशासनिक कार्यपालिका का मुख्य कार्य क्या है?

उत्तर - नीतियों को लागू करना है।

प्रश्न 35 - खाली स्थान भरो :

तटस्थता का _____ सिविल सर्वेन्ट्स को किसी प्रकार के _____ हस्तक्षेप से अलग करता है।

उत्तर – सिद्धान्त, राजनीतिक।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

खंड - ब

प्रश्न 36 - मार्क्सवाद के अनुसार 'क्रान्ति' शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - मार्क्सवाद के अनुसार क्रान्ति का अर्थ समाज में होने वाला पूर्ण और समग्र परिवर्तन से है। यह नकारात्मक शक्ति नहीं, बल्कि इतिहास को आगे बढ़ाने वाला इंजन है। सफल क्रान्ति समाज को उच्चतर और अधिक विकसित अवस्था की ओर ले जाती है।

अथवा

उदारवाद द्वारा प्रचारित 'सीमित राज्य' का सिद्धान्त स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - उदारवाद सीमित राज्य के सिद्धान्त का समर्थन करता है। उदारवादी राज्य को व्यक्ति की भलाई का साधन मानते हैं, न कि सर्वशक्तिमान संस्था। उनका विश्वास है कि शक्तिशाली राज्य व्यक्ति की स्वतंत्रता को कम करता है। इसलिए लॉक के अनुसार, जब राज्य के कार्य सीमित हैं, तो उसकी शक्तियाँ भी सीमित होनी चाहिए।

प्रश्न 37 - मौलिक अधिकारों एवं राज्य के नीति निदेशक सिद्धान्तों के बीच सम्बन्ध की व्याख्या कीजिए।

उत्तर - इन दोनों के बीच संबंध इस प्रकार है :-

1. **पूरक भूमिका :** इन दोनों में गहरा संबंध है; जहाँ मौलिक अधिकार राजनीतिक लोकतंत्र की स्थापना करते हैं, वहीं नीति-निर्देशक सिद्धांत आर्थिक एवं सामाजिक लोकतंत्र की स्थापना करते हैं। ये दोनों ही संविधान के मूल तत्व हैं।
2. **संश्लेषण और जवाबदेही :** हमारा संविधान इन दोनों के बीच एक संश्लेषण (तालमेल) कायम करता है। भले ही नीति-निर्देशक सिद्धांतों के पीछे कानूनी स्वीकृति नहीं है, फिर भी कोई सरकार इनकी अवहेलना नहीं कर सकती क्योंकि वह अंततः जनता के प्रति उत्तरदायी होती है।

अथवा

ऐसे किन्हीं दो नीति निदेशक सिद्धान्तों का उल्लेख कीजिए जिन्हें भारत सरकार द्वारा लागू किया जा चुका है।

उत्तर - लागू किए गए दो सिद्धांत हैं :-

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(1) महिलाओं की स्थिति में सुधार : राज्य ने महिलाओं को समान कार्य के लिए समान वेतन, स्वास्थ्य सुविधाएँ, प्रसूति अवकाश तथा पंचायतों और नगरपालिकाओं में 33% आरक्षण (73वाँ और 74वाँ संविधान संशोधन) प्रदान किया है।

(2) बाल मजदूरी का उन्मूलन : राज्य ने 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों के रोजगार पर प्रतिबंध (अनुच्छेद 24) लगाया है तथा उनके शिक्षा, संरक्षण और शोषण-मुक्त विकास के लिए कानून बनाए हैं।

प्रश्न 38 - भारतीय संघवाद की एक विशेषता के रूप में न्यायपालिका की सर्वोच्चता की व्याख्या कीजिए।

उत्तर – भारतीय संघवाद की विशेषता के रूप में न्यायपालिका की सर्वोच्चता :-

1. **संविधान का संरक्षक :** सर्वोच्च न्यायालय संविधान का व्याख्याकार और संरक्षक है, जो कि देश का सर्वोच्च कानून है। यह **न्यायिक समीक्षा** की शक्ति का प्रयोग करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कार्यपालिका या संसद संविधान के किसी भी प्रावधान का उल्लंघन न करे।
2. **संघीय विवादों का निर्णयकर्ता :** सुप्रीम कोर्ट के पास मूल क्षेत्राधिकार के तहत भारत सरकार और एक या अधिक राज्यों या दो राज्यों के बीच होने वाले विवादों को सुलझाने का विशेष अधिकार है।

प्रश्न 39 - ऐसी कोई दो परिस्थितियाँ उजागर कीजिए जिनके अन्तर्गत किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू किया जा सकता है।

उत्तर - राष्ट्रपति शासन लागू करने की दो परिस्थितियाँ :-

1. **संवैधानिक तंत्र की विफलता :** जब राष्ट्रपति को राज्यपाल की रिपोर्ट या अन्य माध्यमों से यह समाधान हो जाता है कि राज्य सरकार संविधान के प्रावधानों के अनुसार नहीं चलाई जा सकती है, तो वह अनुच्छेद 356 के तहत राष्ट्रपति शासन लगा सकते हैं।

2. **सरकार बनाने में असमर्थता :** यदि निर्वाचित प्रतिनिधि संविधान के अनुसार राज्य में सरकार बनाने या चलाने में असमर्थ हों, तो राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू किया जा सकता है, ताकि प्रशासनिक व्यवस्था चलती रहे।

अथवा

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

ऐसी किन्हीं दो परिस्थितियों को उजागर कीजिए जिनके अन्तर्गत भारत में राष्ट्रीय आपातकाल घोषित किया जा सकता है।

उत्तर - राष्ट्रीय आपातकाल (352)की दो परिस्थितियाँ :-

1. युद्ध अथवा आक्रमण की संभावना के कारण

2. देश में आंतरिक सशस्त्र विद्रोह के कारण

प्रश्न 40 - केन्द्र-राज्य के सम्बन्धों के बारे में सरकारिया आयोग की किसी एक सिफारिश का विश्लेषण कीजिए।

उत्तर - केंद्र-राज्य संबंधों पर सरकारिया आयोग की एक महत्वपूर्ण सिफारिश एक **स्थायी अंतर-राज्यीय परिषद** की स्थापना थी। आयोग का मानना था कि संघवाद सहकारी कार्य के लिए एक कार्यात्मक व्यवस्था है और इस तरह की परिषद संघ और राज्यों के बीच मतभेदों को आपसी परामर्श द्वारा सुलझाने में मदद करेगी, जिससे संघीय ढांचा मजबूत होगा।

OR / अथवा

केन्द्र और राज्य के बीच किन्हीं दो वित्तीय सम्बन्धों को उजागर कीजिए।

उत्तर – दो वित्तीय संबंध :-

1. **करों का वितरण :** केंद्र सरकार द्वारा लगाए गए कुछ करों से प्राप्त राजस्व को वित्त आयोग की सिफारिश पर केंद्र और राज्यों के बीच बांटा जाता है।
2. **सहायता अनुदान :** केंद्र सरकार राज्यों को विकास कार्यों और विशेष आवश्यकताओं के लिए वित्तीय सहायता (Grants-in-aid) प्रदान करती है।

प्रश्न 41 - मंत्री परिषद् की सामूहिक ज़िम्मेवारी (उत्तरदायित्व) की व्याख्या कीजिए।

उत्तर – सामूहिक जिम्मेदारी का अर्थ है :-

1. **एकजुट मोर्चा :** मंत्रिपरिषद के सभी सदस्य कैबिनेट के निर्णयों के लिए सामूहिक रूप से जिम्मेदार होते हैं। असहमति होने पर मंत्री को निर्णय का समर्थन करना या इस्तीफा देना होता है।
2. **साझा भाग्य :** प्रधानमंत्री या सरकार के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पूरी मंत्रिपरिषद के विरुद्ध माना जाता है। बजट या विधेयक हारने पर सभी मंत्रियों को इस्तीफा देना पड़ता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

OR / अथवा

'अविश्वास प्रस्ताव' के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर – अविश्वास प्रस्ताव का महत्त्व :-

1. **जवाबदेही और सरकार को हटाना :** यह एक महत्वपूर्ण संसदीय साधन है जिसे विधायिका के किसी सदस्य द्वारा मंत्रिपरिषद में अविश्वास व्यक्त करने के लिए लाया जाता है। यदि यह प्रस्ताव विधायिका द्वारा पारित (स्वीकार) कर लिया जाता है, तो मंत्रिपरिषद को इस्तीफा देना पड़ता है।
2. **सामूहिक उत्तरदायित्व को लागू करना :** यह सामूहिक उत्तरदायित्व के सिद्धांत को सुदृढ़ करता है। प्रधानमंत्री या सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का अर्थ पूरी मंत्रिपरिषद में विश्वास की कमी है, जिसके कारण उन सभी को पद छोड़ना पड़ता है।

प्रश्न 42 - नगरपालिकाओं के किन्हीं दो कार्यों को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर – नगरपालिकाओं के दो कार्य :-

1. **नागरिक सुविधाएं और सार्वजनिक स्वास्थ्य :** नगरपालिकाएं जल आपूर्ति, जल निकासी और सीवरेज, कचरा संग्रहण और निपटान, तथा महामारियों की रोकथाम और नियंत्रण जैसी आवश्यक सुविधाएं प्रदान करने के लिए जिम्मेदार हैं।
2. **सार्वजनिक निर्माण और बुनियादी ढांचा :** वे सड़कों, गलियों, पुलों, सबवे और अन्य सार्वजनिक कार्यों के निर्माण और रखरखाव के साथ-साथ उचित स्ट्रीट लाइटिंग (सड़क की बत्तियाँ) सुनिश्चित करने का कार्य करती हैं।

प्रश्न 43 - अवलम्बनीय विकास के सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।

उत्तर - अवलम्बनीय विकास का सिद्धांत :-

1. सतत विकास भावी पीढ़ियों की अपनी जरूरतों को पूरा करने की क्षमता से समझौता किए बिना वर्तमान पीढ़ी की जरूरतों को पूरा करता है।
2. इसका उद्देश्य विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच एक संतुलन बनाना है, यह सुनिश्चित करते हुए कि विकासात्मक गतिविधियां पर्यावरण को होने वाले नुकसान को ध्यान में रखकर की जाएं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 44 - सुशासन (अच्छे शासन) की किन्हीं दो मुख्य बाधाओं का विश्लेषण कीजिए।

उत्तर - सुशासन की दो बाधाएं :-

1. **भ्रष्टाचार** : भ्रष्टाचार को व्यक्तिगत लाभ के लिए अधिकार के अवैध उपयोग के रूप में परिभाषित किया गया है। यह एक "सार्वभौमिक बीमारी" है जो लोगों और सरकार को नुकसान पहुंचाती है और एक न्यायपूर्ण सामाजिक व्यवस्था प्रदान करने में बाधा डालती है।
2. **जनसंख्या वृद्धि** : जनसंख्या में तेजी से हो रही वृद्धि देश के संसाधनों (भूमि, वायु, जल) पर अत्यधिक दबाव डालती है। यह गरीबी और बेरोजगारी को दूर करने के विकासात्मक प्रयासों को विफल कर देती है क्योंकि सेवाओं की मांग लगातार आपूर्ति से अधिक हो जाती है, जिससे शासन चलाना कठिन हो जाता है।

प्रश्न 45 - भारत और श्रीलंका के बीच सहयोग के किन्हीं दो क्षेत्रों को उजागर कीजिए।

उत्तर - सहयोग के दो क्षेत्र :-

1. **आर्थिक सहयोग :** दोनों देशों ने आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए व्यवस्थित प्रयास किए हैं, जिसमें व्यापार को सुविधाजनक बनाने के लिए मुक्त व्यापार क्षेत्र (Free Trade Area) पर सहमति शामिल है, जिससे व्यापार में काफी वृद्धि हुई है।
2. **द्विपक्षीय आदान-प्रदान :** दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय आदान-प्रदान (bilateral exchanges) को बढ़ाने के लिए 1998 में इंडो श्री लंकन फाउंडेशन (Indo Sri Lankan Foundation) की स्थापना की गई।

वैकल्पिक मॉड्यूल-7A

प्रश्न 46 - संयुक्त राष्ट्र की शान्ति बहाली की किन्हीं दो गतिविधियों का वर्णन कीजिए।

उत्तर - शान्ति बहाली की गतिविधियाँ :

1. **सैन्य कार्रवाई :** संयुक्त राष्ट्र ने आक्रामकता के मामलों में शांति बहाल करने के लिए सदस्य देशों से सैन्य बल योगदान करने का अनुरोध किया है। उदाहरण के लिए, इसने 1950 में दक्षिण कोरिया से उत्तर कोरियाई बलों को खदेड़ने और 1990 में कुवैत से इराक को हटाने के लिए सैन्य कार्रवाई को अधिकृत किया।
2. **शांति स्थापना अभियान :** सुरक्षा परिषद सदस्य देशों के सैनिकों को संकटग्रस्त क्षेत्रों में भेजती है (संबंधित सरकारों की सहमति से) ताकि वहां शांति और सामान्य स्थिति बहाल की जा सके। इस गतिविधि को व्यापक रूप से 'शांति स्थापना अभियान' के रूप में जाना जाता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

वैकल्पिक मॉड्यूल-7B

प्रश्न 46 - नौकरशाही की किन्हीं दो विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर - नौकरशाही की दो प्रमुख विशेषताएँ इस प्रकार हैं :-

1. **पदों का क्रम :** नौकरशाही में कार्यों और पदों का एक निश्चित क्रम होता है। इसमें उच्च अधिकारी अपने अधीनस्थों (निचले कर्मचारियों) को आदेश देते हैं और उनके कार्यों पर नियंत्रण रखते हैं।
2. **नियमों और कानूनों का पालन :** नौकरशाही का संपूर्ण कार्य लिखित नियमों और निर्धारित प्रक्रियाओं के आधार पर किया जाता है, जिससे प्रशासन में एकरूपता बनी रहती है।

प्रश्न 47 - राज्य और सरकार के बीच किन्हीं तीन अन्तरों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर - राज्य और सरकार में अंतर :-

आधार	आधार	आधार
1. शक्ति का स्वरूप	राज्य की शक्ति जन्मजात होती है, यह अपना नियम बनाता है।	सरकार की शक्ति संविधान से मिलती है, राज्य के नियमों पर चलती है।
2. स्थायित्व	राज्य स्थायी संस्था है, समय के साथ नहीं बदलती।	सरकार अस्थायी होती है, चुनाव या बदलाव से बदल जाती है।
3. रचना	राज्य में सभी नागरिक शामिल होते हैं।	सरकार राज्य का एक हिस्सा है, जिसमें चुने हुए नेता और अधिकारी होते हैं।

अथवा

राज्य और राष्ट्र के बीच कोई तीन अन्तर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - राज्य और राष्ट्र में अंतर :-

आधार	राज्य	राष्ट्र
संप्रभुता	राज्य की मुख्य विशेषता है; बिना संप्रभुता के राज्य नहीं हो सकता।	राष्ट्र के लिए संप्रभुता जरूरी नहीं है।
अवधारणा	राज्य एक राजनीतिक अवधारणा है।	राष्ट्र एक सांस्कृतिक और मनोवैज्ञानिक अवधारणा है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

बंधन का आधार	लोगों को कानून और संविधान एक साथ बाँधते हैं।	लोगों को साझा भावनाएँ, संस्कृति और इतिहास जोड़ते हैं।

प्रश्न 48 - मार्क्सवाद की प्रासंगिकता की व्याख्या कीजिए।

उत्तर - मार्क्सवाद की प्रासंगिकता : -

1. **वर्ग संघर्ष के रूप में राजनीति :** मार्क्सवाद एक अलग दृष्टिकोण प्रदान करता है जो राजनीति को केवल शासन के रूप में नहीं, बल्कि दो विरोधी वर्गों—'सम्पन्न' (निजी संपत्ति वाले धनी/शोषक) और 'विपन्न' (गरीब/शोषित)—के बीच कभी न समाप्त होने वाले संघर्ष के रूप में देखता है।
2. **आर्थिक असमानता की आलोचना :** यह राजनीति में आर्थिक कारकों की भूमिका पर प्रकाश डालता है और इस बात पर जोर देता है कि विपन्न वर्ग का उद्धार केवल एक आंदोलन के माध्यम से संभव है जो निजी संपत्ति जैसी संस्था को समाप्त कर दे।
3. **वर्गविहीन समाज का लक्ष्य :** यह उदारवादी दृष्टिकोण (जिसकी प्रतिक्रिया के रूप में इसका विकास हुआ) के विपरीत एक वैकल्पिक दृष्टि प्रदान करता है, जिसका उद्देश्य वर्ग समाज का अंत करना और एक वर्गविहीन समाज की स्थापना करना है।

अथवा

उदारवाद की किन्हीं दो कमियों को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - उदारवाद की दो प्रमुख कमियाँ इस प्रकार हैं :-

1. **शोषण का उपकरण (मार्क्सवादी आलोचना) :** पाठ में उल्लेखित है कि उदारवादी दृष्टिकोण के विपरीत, मार्क्सवादी दृष्टिकोण का मानना है कि राज्य एक निष्पक्ष संस्था नहीं है। इसके बजाय, इसे धनी लोगों के हाथों में एक हथियार माना जाता है जिसका उपयोग गरीबों का शोषण करने के लिए किया जाता है।
2. **सामाजिक कल्याण में अपर्याप्तता :** उदारवाद एक "सीमित राज्य" या "पुलिस राज्य" की वकालत करता है जो कम से कम शासन करता है। यह दृष्टिकोण "लोक कल्याणकारी राज्य" के उदय से अपर्याप्त साबित होता है, जिसकी आवश्यकता गरीबों, बेरोजगारों और बुजुर्गों के कल्याण को बढ़ावा देने के लिए पड़ी—वे कार्य जिन्हें सीमित उदारवादी राज्य पूरा नहीं करता था।

प्रश्न 49 - भारत के चुनाव आयोग के किन्हीं तीन कार्यों का वर्णन कीजिए।

उत्तर - चुनाव आयोग के तीन कार्य :-

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

1. **मतदाता सूची तैयार करना :** आयोग प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के लिए मतदाताओं की एक विस्तृत सूची तैयार करता है, जिसे मतदाता सूची कहा जाता है। इस सूची में सभी पात्र मतदाताओं के नाम होते हैं और यह सुनिश्चित करने के लिए कि यह अद्यतित रहे, इसे प्रत्येक आम चुनाव, उपचुनाव और मध्यावधि चुनाव से पहले संशोधित किया जाता है।
2. **चुनाव चिन्हों का आवंटन :** आयोग राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को विशिष्ट चुनाव चिन्ह आवंटित करता है। ये चिन्ह, जैसे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के लिए 'हाथ' या भाजपा के लिए 'कमल', मतदान को सुविधाजनक बनाने के लिए महत्वपूर्ण हैं, विशेष रूप से निरक्षर मतदाताओं के लिए जो उम्मीदवारों के नाम नहीं पढ़ सकते हैं, और समान नाम वाले उम्मीदवारों के बीच अंतर करने के लिए।
3. **दलों को मान्यता :** चुनाव आयोग राजनीतिक दलों को उनके चुनावी प्रदर्शन के आधार पर राष्ट्रीय या राज्य (क्षेत्रीय) दलों के रूप में मान्यता देने के लिए जिम्मेदार है। उदाहरण के लिए, यदि कोई दल चार या अधिक राज्यों में कुल वैध मतों का चार प्रतिशत प्राप्त करता है, तो उसे राष्ट्रीय दल के रूप में मान्यता दी जाती है।

OR / अथवा

ट्रेड यूनियनों से जुड़े किन्हीं तीन दबाव समूहों के नाम लिखिए।

उत्तर - ट्रेड यूनियनों से जुड़े तीन प्रमुख दबाव समूह (श्रम संगठन) :-

1. **इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस (INTUC) :** यह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से जुड़ा एक प्रमुख मजदूर संगठन है।
2. **भारतीय मजदूर संघ (BMS) :** यह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) और भारतीय जनता पार्टी (BJP) से वैचारिक रूप से जुड़ा हुआ है।
3. **ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस (AITUC) :** यह भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (CPI) से जुड़ा सबसे पुराना ट्रेड यूनियन है।

प्रश्न 50 - भारत में क्षेत्रीय राजनीतिक पार्टियों के किन्हीं तीन योगदानों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर - क्षेत्रीय पार्टियों का योगदान :-

1. **क्षेत्रीय मुद्दों को राष्ट्रीय मंच पर लाना :** क्षेत्रीय दलों के प्रतिनिधि संसद का ध्यान अपने क्षेत्र के विशिष्ट मुद्दों पर केंद्रित करते हैं और अपने हितों को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार की नीतियों को प्रभावित करने का प्रयास करते हैं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

2. **राजनीतिक जागरूकता :** इन दलों का सबसे बड़ा योगदान यह है कि उन्होंने दूरदराज के इलाकों के लोगों का ध्यान विभिन्न राजनीतिक और आर्थिक मुद्दों की ओर खींचा है और आम लोगों में राजनीतिक जागरूकता पैदा की है।
3. **राष्ट्रीय दलों के दृष्टिकोण में बदलाव :** उन्होंने राष्ट्रीय राजनीतिक दलों को मजबूर किया है कि वे क्षेत्रीय समस्याओं के प्रति उदासीन न रहें और उनके समाधान में गहरी रुचि लें।

प्रश्न 51 - भारतीय चुनाव प्रणाली की किन्हीं तीन कमियों का विश्लेषण कीजिए।

उत्तर - चुनाव प्रणाली की तीन कमियां :-

1. **धन बल का प्रयोग :** बिना हिसाब-किताब के पैसे (काले धन) की भूमिका एक गंभीर समस्या बन गई है। राजनीतिक दल व्यापारिक घरानों से धन इकट्ठा करते हैं और इसका उपयोग मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए करते हैं। चुनाव के दौरान रिश्वत देना, धांधली करना और शराब बांटना जैसी भ्रष्ट प्रथाएं अपनाई जाती हैं।
2. **बाहुबल :** पहले अपराधी उम्मीदवारों का समर्थन मतदाताओं को डरा-धमका कर करते थे, लेकिन अब वे खुद चुनाव लड़कर सामने आ गए हैं, जिससे "राजनीति का अपराधीकरण" हो रहा है। इसके परिणामस्वरूप चुनावों के दौरान हिंसा भी बढ़ गई है।
3. **रकारी तंत्र का दुरुपयोग :** सत्ताधारी दल हमेशा विपक्षी दलों की तुलना में लाभ की स्थिति में रहता है। अक्सर यह आरोप लगाया जाता है कि सत्ताधारी दल सरकारी तंत्र का दुरुपयोग करता है, जिससे बूथ कैप्चरिंग, फर्जी मतदान और मतपत्रों को जबरन हटाने जैसी घटनाएं होती हैं, जिससे चुनावों में जनता का विश्वास कम होता है।

वैकल्पिक मॉड्यूल-7A

प्रश्न 52 - संयुक्त राष्ट्र की किन्हीं तीन प्रमुख गतिविधियों को उजागर कीजिए।

उत्तर - संयुक्त राष्ट्र की प्रमुख गतिविधियाँ :-

1. **अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखना :** संयुक्त राष्ट्र की प्राथमिक गतिविधि अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखना है। यह आक्रामकता को दबाने के लिए सामूहिक उपायों और विवादों के शांतिपूर्ण निपटारे के माध्यम से किया जाता है। इसमें अशांत क्षेत्रों में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए "शांति स्थापना अभियान" भेजना शामिल है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

2. **मानवाधिकारों को बढ़ावा देना :** संयुक्त राष्ट्र दुनिया भर में मानवाधिकारों की संस्कृति को सक्रिय रूप से बढ़ावा देता है। इसने नागरिक, राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक अधिकारों के लिए मानक निर्धारित करने के लिए मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा (1948) और 'इंटरनेशनल बिल ऑफ राइट्स' जैसी कई घोषणाओं और संधियों को अपनाया है।
3. **उपनिवेशवाद और नस्लवाद के खिलाफ लड़ाई :** संयुक्त राष्ट्र ने लाखों लोगों को औपनिवेशिक शासन से मुक्त कराने और ट्रस्टीशिप प्रणाली को समाप्त करने में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। इसने नस्लवाद के खिलाफ, विशेष रूप से दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद शासन के खिलाफ, एक महत्वपूर्ण विरोध का नेतृत्व किया, जिससे भेदभाव की नीति को समाप्त करने में मदद मिली।

वैकल्पिक मॉड्यूल-7B

प्रश्न 52 - प्रतिबद्ध नौकरशाही की किन्हीं दो कमियों को उजागर कीजिए।

उत्तर - प्रतिबद्ध नौकरशाही का अर्थ है ऐसी नौकरशाही जो सत्तारूढ़ दल की विचारधारा के प्रति वफादार होती है। इसकी दो प्रमुख कमियां इस प्रकार हैं :-

1. **राजनीतिकरण और चाटुकारिता :** व्यवहार में, प्रतिबद्धता अक्सर राजनीतिकरण और चाटुकारिता में बदल गई है। नौकरशाह अक्सर मुद्दों की स्वतंत्र जांच किए बिना केवल राजनीतिक कार्यपालिका के आदेशों के अनुसार कार्य करते हैं। यह आरोप लगाया गया था कि इससे ऐसे लचीले लोक सेवक पैदा होंगे जो हमेशा "हां मंत्री जी" कहेंगे और झुकने के लिए कहे जाने पर रेंगने को तैयार रहेंगे।
2. **पक्षपातपूर्ण संरेखण :** आलोचकों का आरोप था कि प्रतिबद्धता के नाम पर सत्ताधारी दल अपने शासन को बनाए रखने के लिए नौकरशाही को अपनी पार्टी की विचारधारा के साथ जोड़ना चाहता था। यह प्रशासन की निष्पक्षता को कमजोर करता है, क्योंकि सामाजिक उद्देश्यों के प्रति प्रतिबद्धता और किसी राजनीतिक दल के इशारों पर नाचने में अंतर है।

प्रश्न 53 - उच्च न्यायालयों के क्षेत्राधिकार की किन्हीं पाँच शक्तियों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर - उच्च न्यायालय की पाँच शक्तियाँ :-

1. **प्रारंभिक क्षेत्राधिकार :** कुछ विशिष्ट मामलों में, उच्च न्यायालय के पास सीधे (अपील के माध्यम से नहीं) मुकदमों को सुनने की शक्ति है। इसमें **मौलिक अधिकारों के उल्लंघन** के मामले और संसद या राज्य विधानसभा के सदस्यों के चुनाव को चुनौती देने वाली **चुनाव याचिकाएं** शामिल हैं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

2. **रिट जारी करने की शक्ति :** उच्च न्यायालयों को लोगों के मौलिक अधिकारों को लागू करने के लिए किसी भी व्यक्ति, प्राधिकरण या राज्य सरकार को रिट (आदेश) जारी करने का अधिकार है। इन रिटों में **बंदी प्रत्यक्षीकरण, परमादेश, प्रतिषेध, अधिकार पृच्छा और उत्प्रेषण** शामिल हैं।
3. **अपीलीय क्षेत्राधिकार :** उच्च न्यायालय मुख्य रूप से एक अपील न्यायालय है।

- **दीवानी मामले :** यह जिला न्यायालयों के उन फैसलों के खिलाफ अपील सुनता है जिनमें 5 लाख रुपये से अधिक की राशि शामिल हो।
- **आपराधिक मामले :** यह सत्र न्यायालयों के फैसलों के खिलाफ अपील सुनता है। विशेष रूप से, यदि सत्र न्यायालय द्वारा **मृत्युदंड** (फांसी) दिया जाता है, तो उसे लागू करने से पहले उच्च न्यायालय द्वारा पुष्टि की जानी अनिवार्य है।

4. **अधीक्षण की शक्ति :** उच्च न्यायालय को राज्य के सभी अधीनस्थ न्यायालयों पर अधीक्षण और नियंत्रण का अधिकार है। यह उनसे जानकारी मांग सकता है, उनकी कार्यप्रणाली को विनियमित करने के लिए नियम जारी कर सकता है, और अधिकारियों की नियुक्ति व पदोन्नति से संबंधित नियम बना सकता है।
5. **अभिलेख न्यायालय :** उच्च न्यायालय एक अभिलेख न्यायालय के रूप में कार्य करता है। इसके फैसले सुरक्षित रखे जाते हैं और **नजीर** के रूप में उद्धृत किए जाते हैं, जिसका अर्थ है कि वे राज्य की निचली अदालतों के लिए बाध्यकारी होते हैं। इसके पास अपनी **अवमानना** के लिए दंडित करने की शक्ति भी है।

OR / अथवा

पंचायतों की आय के किन्हीं पाँच स्रोतों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर - पंचायतों को अपने विकास कार्यों को पूरा करने के लिए धन की आवश्यकता होती है। उनकी आय के पाँच प्रमुख स्रोत इस प्रकार हैं :-

1. **कर :** ग्राम पंचायतों को विभिन्न कर लगाने का अधिकार है, जैसे कि गृह कर , पशुओं पर कर, अचल संपत्ति, वाणिज्यिक फसलों पर कर और गाँव में बेचे जाने वाले उत्पाद पर कर।
2. **सरकारी अनुदान :** पंचायतों की आय का सबसे बड़ा हिस्सा राज्य और केंद्र सरकार से मिलने वाले अनुदानों से आता है। यह धन विभिन्न विकास योजनाओं (जैसे मनरेगा) को लागू करने के लिए दिया जाता है।
3. **सार्वजनिक संपत्ति से आय :** पंचायतें अपनी संपत्ति जैसे- सामुदायिक भवनों, दुकानों, तालाबों (मत्स्य पालन के लिए) और चारागाहों को किराए पर देकर आय अर्जित करती हैं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

4. **फीस और शुल्क :** पंचायतें जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने, पशु मेलों के आयोजन और पानी की आपूर्ति जैसी सेवाओं के लिए फीस वसूलती हैं। वे अतिक्रमण या नियमों के उल्लंघन पर जुर्माना भी लगा सकती हैं।
5. **स्वैच्छिक दान :** कई बार गाँव के समृद्ध लोग, समाजसेवी संस्थाएं या समुदाय के सदस्य गाँव के विकास कार्यों (जैसे स्कूल या धर्मशाला निर्माण) के लिए पंचायत को स्वैच्छिक रूप से दान देते हैं।

प्रश्न 54 - मानवाधिकारों की किन्हीं पाँच विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर - मानवाधिकारों की पाँच विशेषताएँ :-

1. **सार्वभौमिकता :** मानवाधिकार सभी लोगों के लिए हैं। ये बिना किसी भेदभाव के सभी व्यक्तियों को समान रूप से प्राप्त होने चाहिए।
2. **व्यापकता :** मानवाधिकारों का दायरा अत्यंत व्यापक है। इसमें नागरिक, राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है।
3. **अंतर्राष्ट्रीय मानक :** मानवाधिकारों को विश्वव्यापी मानकों के रूप में स्थापित किया गया है। इसका प्रमुख उदाहरण 'मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा' (1948) है, जिसे संयुक्त राष्ट्र द्वारा अपनाया गया था।
4. **बाध्यकारी और नैतिक शक्ति :** मानवाधिकारों की घोषणाओं का नैतिक और राजनीतिक महत्व होता है, हालाँकि वे सरकारों पर कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं होतीं। दूसरी ओर, मानवाधिकारों से जुड़े 'प्रतिज्ञापत्र' हस्ताक्षर करने वाले देशों के लिए कानूनी रूप से बाध्यकारी होते हैं।
5. **संस्थागत संरक्षण :** मानवाधिकारों के उल्लंघन की निगरानी और सुरक्षा के लिए संस्थागत तंत्र मौजूद हैं। उदाहरण के लिए, संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त (High Commissioner for Human Rights) का कार्यालय दुनिया भर में मानवाधिकारों के सम्मान को बढ़ावा देता है और शिकायतों का निवारण करता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

Thank you!

We hope you found this material helpful. We wish you the very best for your examination.

Strive for Excellence – Your Path to Success